सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-264
15/06/2017

नशामुक्त समाज होगा तो बिहार को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता :– मुख्यमंत्री

पटना, 15 जून 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज सुपौल जिले के वीरपुर में कौशिकी भवन के उद्घाटन के साथ–साथ 544 करोड़ रूपये की 44 योजनाओ का लोकार्पण एवं 81 विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया। लोकार्पण एवं शिलान्यास के पश्चात आयोजित समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने उद्घाटन किया और एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुये कहा कि सबसे पहले मैं आप सबका अभिनन्दन एवं हृदय से धन्यवाद देता हूँ। उन्होंने कहा कि वीरपुर में कौशिकी भवन का उद्घाटन हुआ है, यह भवन बहुद्देशीय भवन है। आप सभी जानते हैं कि कोसी परियोजना का वीरपुर मुख्यालय है। 2008 में कोसी त्रासदी आई थी, उसके पश्चात यह तय हुआ था कि कोसी का पुनर्निर्माण होगा, उसी कड़ी में इसका निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि इस भवन का नाम कौशिकी भवन इसलिए रखा गया है कि प्राचीन काल में कोसी को कौशिकी कहा जाता था। उन्होंने कहा कि आज उद्घाटन के पश्चात इस भवन का मैंने निरीक्षण किया है। यहॉ सभी प्रकार के कार्यालय चलेंगे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा कई प्रकार के अध्ययन वीरपुर से होने वाले हैं। अब बहुत सारी नदियों के अध्ययन के बारे में बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी। वीरपुर से ही इस तरह के अध्ययन कराये जायेंगे। उन्होंने कहा कि जब कोई योजना मंजूर होती है और पूरी हो जाती है तो काफी खुशी होती है। उन्होंने कहा कि आज सुपौल में विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया है। उद्घाटन किये जाने वाले मुख्य योजनाओं का नाम गिनाते हुये उन्होंने कहा कि 44 करोड़ की लागत से कौशिकी भवन का निर्माण, 49 करोड़ की लागत से राजकीय पॉलिटेक्निक भवन और 68 करोड़ रूपये की लागत से निर्मली एवं त्रिवेणीगंज प्रखण्ड में विद्युत उपकेन्द्र का निर्माण, 158 करोड़ की लागत से पथ निर्माण विभाग के 79 किलोमीटर सड़क का निर्माण प्रमुख है। उन्होंने कहा कि चार पंचायत सरकार के भवनों के निर्माण का आज उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कहा कि जैसे केन्द्र एवं राज्य की सरकार होती है, वैसे ही पंचायत एवं नगर की सरकार की परिकल्पना है इसलिए हर ग्राम पंचायत में पंचायत सरकार भवन बन रहा है। उन्होंने कहा कि 8400 ग्राम पंचायतों के छठे हिस्से की संख्या में पहले चरण में काम शुरू हुआ है। पुनः एक हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में पंचायत सरकार भवन के निर्माण पर मंथन किया गया है और आवश्यक धनराशि का प्रबंध कर लिया गया है। पंचायत सरकार भवन में मुखिया, ग्राम कचहरी, वार्ड मेम्बर तथा सरकार से संबंधित पंचायत स्तर के कर्मचारी बैठेंगे और अब लोगों को कर्मचारियों को ढूँढ़ने के लिए परेशान नहीं होना होगा। उन्होंने कहा सात निश्चय के अन्तर्गत हर घर नल का जल, हर घर शौचालय, हर घर तक पक्की गली–नाली योजनाओं में विकेन्द्रीकृत तरीकों से काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आज जिन योजनाओं का शिलान्यास किया गया है, उसमें राजकीय पॉलिटेक्निक भवन का निर्माण भी शामिल है। उन्होंने कहा कि हम चाहते है कि यहॉ के लोगों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए बाहर नहीं जाना पड़े, इसके लिए हर जिला में इंजीनियिरिंग कॉलेज, महिला पॉलिटेक्निक, जी0एन0एम0 कॉलेज, पारा मेडिकल कॉलेज, सभी अनुमंडलों में आई0टी0आई0 और

ए0एन0एम0 कॉलेज, पॉच नये मेडिकल कॉलेज और सभी मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग कॉलेज आदि खोले जा रहे है। उन्होंने कहा कि हमारे सात निश्चय कार्यक्रम के अंतर्गत टोला सम्पर्क योजना है। हम सर्वेक्षण कराकर गॉव के टोलो को भी पक्की सड़क से जोड़ेंगे। आज यहॉ ऐसी सात सड़कों का शिलान्यास भी हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सात निश्चय योजनाओं के अमल के बाद सभी जिलों की उन्होंने यात्रा की और स्थल पर जाकर काम देखा। संबंधित जिलों के विधायकों, विधान पार्षदों, संबंधित विभागों के वरीय अधिकारियों तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा की। इसके चंद महीने के अंदर बहुत से कार्यों का क्रियान्वयन आरंभ हो गया है। उन्होंने लोगों से कहा कि यह सब आपके हित में है। उन्होंने कहा कि सुपौल जिले में आपसी प्रेम, सद्भाव एवं भाईचारा का माहौल है। प्रेम, सद्भाव, आपसी भाईचारा जहॉ भी रहेगा, वहॉ काम तेजी से होता है। उन्होंने कहा कि हर सूरते हाल में प्रेम एवं शांति के साथ एक दूसरे की इज्जत करते हुये जीवन बसर करना चाहिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहॉ लोग लड़ाने में लगे हुये है और हम सामाजिक बुराइयों को दूर करने में लगे हुये हैं। उन्होंने कहा कि शराबबंदी से समाज में व्यापक बदलाव आया है। जहॉ अपराध एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ता वस्तुओं जैसे दुध, फर्नीचर, मिठाई, कपड़ों की बिक्री में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जो लोग शराब में अपना पैसा गंवाते थे, शराबबंदी के बाद उनका पैसा बच रहा है और लोग इन पैसे का उपयोग अपने जीवन के बेहतरी के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले लोग शराब पीकर आते थे और झगड़ा–झंझट करते थे, शराबबंदी के बाद घर का माहौल बेहतर हो गया है। उन्होंने कहा कि एक जगह उन्होंने महिलाओं से शराबबंदी के संबंध में अनुभव पूछा था तो एक महिला ने बताया कि शराबबंदी के पूर्व उनके पति रोज शराब पीकर आते थे, घर में झगड़ा–झंझट और मारपीट करते थे और देखने में भी क्रूर लगते थे किन्तु शराबबंदी के बाद अब वे घर आते समय सब्जी लेकर आते हैं और देखने में भी अच्छे लगते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी को कहते है सामाजिक परिवर्तन। उन्होंने कहा कि अब हम शराबबंदी से नशामुक्ति की ओर जा रहे हैं। हमें नशामुक्त समाज बनाना है। यदि समाज नशामुक्त होगा तो बिहार को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि यदि शराबबंदी बिहार में सफल हो सकता है तो उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में क्यों नहीं सफल हो सकता है। उन्होंने कहा कि जो दो नम्बर का धंधा करता है, वह पकड़ा जाता है। हम इस मामले में कोई समझौता नहीं करने वाले है किन्तु आपका सहयोग चाहिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में एक और कुरीती है, बाल विवाह एवं दहेज प्रथा की। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि बाल विवाह से बचिये, लोगों को सचेत किजीये, कम उम्र में गर्भधारण से कई प्रकार की समस्या होती है। उन्होंने कहा कि बिहार में मनुष्य में नाटेपन की समस्या बढ़ रही है और इसका एक कारण बाल विवाह भी है। उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा भी एक गंभीर समस्या है। नीचले तबके के लोगों में भी यह बीमारी फैल गई है। महात्मा गॉधी के जन्मदिन 02 अक्टूबर से बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के विरूद्ध सशक्त अभियान चलेगा। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि यदि किसी शादी में दहेज लिया गया हो तो आप शादी में मत जाइये। उन्होंने कहा कि हम तो समाज को बदलने के संकल्प के साथ काम करते हैं। उन्होंने कहा कि विकासात्मक एवं कल्याणकारी काम भी हो रहे हैं। व्यवहार एवं आचरण में बदलाव आयेगा तो समाज तेजी से तरक्की करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में बिहार में अदभूत काम हुआ है। बिहार में पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों में 50 प्रतिशत महिलाओं के लिए पद आरक्षित हैं। अभी नगर निकाय के प्रतिनिधि चुनकर आये हैं। मैं देख रहा था कि निकायों में

50 प्रतिशत आरक्षण है किन्तु कही से 60 प्रतिशत तो कही से 70 प्रतिशत महिलायें चुनकर आई हैं। यह मामूली बात नहीं है, यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पुरूष और महिलायें मिलकर कार्य करेंगे तो समाज बहुत आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि बिहार का मॉडल पूरे देश में अपनाया जायेगा तो देश बहुत आगे बढ़ जायेगा और चीन को भी पीछे छोड़ देगा।

इसके पूर्व पाग एवं चादर भेंट कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यकताओं द्वारा मुख्यमंत्री का फूलों का बड़ा माला पहनाकर भी स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री को प्रतीक चिन्ह् भी भेंट किया गया।

समारोह को जल संसाधन तथा योजना एवं विकास मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, ऊर्जा एंव वाणिज्यकर मंत्री श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, बिहार विधान परिषद के उप सभापति श्री हारूण रसीद, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री सह प्रभारी मंत्री सुपौल जिला श्री अब्दूल गफ्फूर, उद्योग तथा विज्ञान प्रावैद्यिकी मंत्री श्री जयकुमार सिंह ने संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्री अनिरूद्ध यादव, विधायक श्री यदुवंश यादव, विधायक श्रीमती बीमा भारती, विधायक श्री अरूण कुमार यादव, विधान पार्षद श्री संजीव कुमार सिंह, जदयू जिलाध्यक्ष श्री रामविलास कामत, कॉगेस के जिलाध्यक्ष श्री बीमल यादव, कई पूर्व विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, प्रधान सचिव जल संसाधन श्री अरूण कुमार सिंह, पूर्णिया एवं कोसी प्रमण्डल की आयुक्त सुश्री टी0एन0 विंदेश्वरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, पुलिस महानिरीक्षक श्री उमाशंकर सुधांशु, सुपौल के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

****